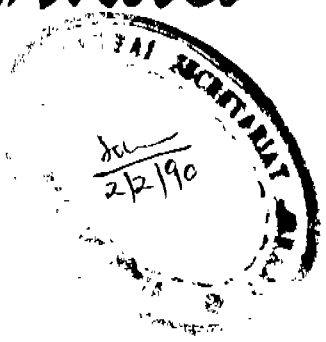


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 706]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 27, 1989/कार्तिक 5, 1911

No. 706]

NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 27, 1989/KARTIKA 5, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 1989

का. धा. 867(अ):—केन्द्रीय सरकार, नाशक कीट और नाशक  
जीव अधिनियम, 1914 (1914 का 2) की धारा 3 की उपधारा (1)  
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और बनस्पति, फल और बीज  
(भारत में आयात का विनियमन) अधिनियम, 1984 को अधिकांश करते हुए,  
उन बातों को छोड़कर जिन्हें ऐसे अधीक्षण से पहले किया गया है या  
किए जाने का खोप किया गया है इसमें उल्लिखित कृषि वस्तुओं  
के भारत में आयात को प्रतिषेध और विनियमन करने के प्रयोजनार्थ  
निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

अध्याय 1

प्रारम्भिक

1. गक्षित नाम और प्रारम्भ:— इस आदेश का संक्षिप्त नाम पावप,  
फल और बीज (भारत में आयात का विनियमन) आदेश, 1989 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

2. परिभाषाएं:— इस आदेश में, जब तक संदर्भ में अन्यथा अभिप्रेत  
न हो,—

(क) “सक्षम प्राधिकारी” से ऐसा प्राधिकारी अभिप्रेत है जिसे केन्द्रीय  
सरकार, राजपत्र में अधिसूचना के द्वारा, समय-समय पर अधि-  
सूचित करे।

(ख) “अभिहित निरीक्षण प्राधिकारी” से ऐसा प्राधिकारी अभिप्रेत  
है जिसे केन्द्रीय सरकार नाशक जांचन करतोन सुविधा में  
उपजाए गए पाद्यों के निरीक्षण के लिए राजपत्र में प्रकाशित  
अधिसूचना द्वारा समय-समय पर अधिसूचित करे।

(ग) “प्रवेश बिन्दु” से ऐसा समुद्र पत्तन, हवाई परतन या भू-  
सीमा-शुल्क केन्द्र अभिप्रेत है जिससे होकर इस आदेश के अधीन  
आयात की अनुज्ञा दी जाती है।

(घ) “प्रारूप” से इस आदेश से संलग्न प्रारूप अभिप्रेत है।

(ङ) “नर्सरी” से ऐसा फलोद्यान या कोई अन्य स्थान, प्रमुविधा,  
कौच-गृह, स्कीन गृह अभिप्रेत है जिसका उपयोग पौधे उगाने के  
लिए किया जाता है।

(घ) "शामकीय पादप स्वच्छता प्रमाणपत्र" से सम्बन्धित राष्ट्र संघ के आन्तरिक कृषि संगठन द्वारा प्रत्यायोजित अंतरराष्ट्रीय पादप संरक्षण कन्वेंशन विहित में जैसा कि अनुसूची 1 में उद्धृत किया गया है ऐसा स्वच्छता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है जिसे परेषण वाले मूल देश के प्राधिकृत अधिकारी ने जारी किया है।

(छ) "पैक करने की सामग्री" से पैक करने की ऐसी सामग्री अभिप्रेत है जो पादप, फल या बीज के पैक करने के लिए प्रयोग में आने वाले बाल्ट, बुट्टा, लकड़ी की कतरनी, रस्सी कागज, संश्लिष्ट गामथियों से मिलकर बनी हो।

(ज) "नाशक जीव" किसी प्रकार का पादप या प्राणि जीव या कोई रोगजनक कर्मक अभिप्रेत है जो पादप या पादप उत्पादों के लिए हानिकारक या संभाव्य रूप से हानिकारक है और जिसके अन्तर्गत कोई कीट वर्ष्म, सूक्ष्म, घोंघा जीवाणु, फफूँद, वायरस, वाईरस कवक इव जैसे जीव (मृ. मृ. ओ.) एप्पोदमिड या खर-पतवार आते हैं।

(झ) "पादप" से अभिप्रेत है कोई ऐसा पादप या उसका भाग चाहे वह जीवित हो या मृत, वृक्ष तृण, नगरी स्तम्भ और इसके अन्तर्गत कृमिक रूप से प्रवर्धित सभी सामग्रियाँ आती हैं।

(ञ) "पादप संरक्षण सलाहकार" से पादप संरक्षण सलाहकार, भारत सरकार पादप संरक्षण कर्त्तवी और संशोधन निवेशालय एन. एच. 4, फरीदाबाद-121001 अभिप्रेत है।

(ट) "प्रवेशोत्तर कर्त्तवी" से पादप संरक्षण सलाहकार द्वारा अनु-योजित किसी कांच-गृह और प्रयुक्ति या नमूने में, किसी विनिर्दिष्ट अवधि तक विनिर्दिष्ट रूप में पादपों को उगाना अभिप्रेत है।

(ठ) "बीज" से कृषि उद्यान कृषि फल और चारा फसों, वन वृक्ष अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत बोंने, पौधा लगाने और उपभोग के लिए प्रयुक्त पौध और कन्द, शल्ककन्द, पकन्द, जड़, कलम सभी प्रकार के कलमवन्ध और अन्य कृमिक रूप से प्रवर्धित सामग्री भी है।

(ड) "अनुसूची" से इस आदेश से उगावद्ध अनुसूची अभिप्रेत है।

(द) "मृदा" के अन्तर्गत मिट्टी, पीट, कम्पोस्ट, क्ने, बालू या पादप के जीवन को अवलम्ब देने में समर्थ कोई माध्यम आता है और इसके अन्तर्गत खनिज विषादीय या सधम जैविक/रासायनिक अवशेष के लिए मिट्टी या कोई मृदा या किसी प्रकार के प्रायोजन के लिए प्रयुक्त मृदा आती है।

#### अध्याय 2

3 आयात के लिए सामान्य शर्तें —पादप, फल और बीज के सभी परेषणों का (जिसे इसमें इसके पश्चात् परेषण कहा गया है) भारत में आयात निम्नलिखित शर्तों के अधीन किया जाएगा अर्थात्:—

(1) खंड (3) के अधीन जारी विधिमार्ग अनुज्ञापन के बिना किसी परेषण का भारत में आयात नहीं किया जाएगा।

(2) (1) भूमि, वायु या समुद्र द्वारा परेषणों का आयात करने के अनुज्ञापन के लिए सभी आवेदनपत्र (नीचे प्रतियों में) सक्षम प्राधिकारी को कम से कम एक मास पूर्व अधिम भेजा जाएगा और उपयोग के लिए बीज, फल और पौधों का आयात करने के लिए आवेदन प्रारूप "क" में बोंने के लिए या पौधे लगाने के लिए बोंने और पादपों का आयात करने के लिए आवेदन प्रारूप "ख" में भेजा जाएगा ;

(2) उपभोग के लिए बीजों और फलों के आयात के लिए आवेदन के साथ 50/- रुपये और बोंने या पौधे लगाने के लिए बीजों या पादपों के आयात के लिए आवेदनपत्र के साथ 100/- रुपये फीस देय

होगी और एक अतिरिक्त सक्षम प्राधिकारी को देय मांग पत्र के प्रारूप में देय होगा।

(3) (1) सक्षम प्राधिकारी, यदि उसका समाधान हो जाए कि आवेदक सभी आवश्यक शर्तें पूरी करता है उपभोग के लिए बीजों फलों और पौधों के आयात के लिए प्रारूप "ग" में और बोंने या पौधे लगाने के लिए बीजों और पादपों के आयात के लिए प्रारूप "घ" में अनुज्ञापन जारी करेगा।

(2) सक्षम प्राधिकारी, आवेदक को समुचित सूचना देने के पश्चात् अभिलिखित किए जाने वाले कारणों से अनुज्ञापन जारी नामंजूर कर सकेगा, या रोक सकेगा।

(3) इस खंड के अधीन जारी किया गया अनुज्ञापन छह मास के लिए होगा, परन्तु सक्षम प्राधिकारी, अनुरोध किए जाने पर विधिमार्ग 1 की प्रवधि को छह मास की और प्रवधि के लिए बढ़ा सकेगा।

(4) सक्षम प्राधिकारी बोंने या पौधे लगाने के लिए बीजों और पादपों के आयात के लिए जारी किए गए अनुज्ञापन की वशा में प्रारूप "ङ" में विनिर्दिष्ट नारंगी और हरे रंग का टेप आवेदनकर्ता को अर्पित करेगा जिससे कि भूमि सीमा शुल्क केन्द्र या प्रवेशपत्तन पर परेषणों के पहुँचने पर उनकी पहचान में सुविधा हो सके।

5(1) उपभोग करने, बोंने और प्रवर्धन या पौधा लगाने के लिए सभी परेषणों का भारत में आयात केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त समय-समय पर अधिसूचित प्रवेश बिन्दु से होकर ही किया जाएगा, परन्तु अफगानिस्तान, पाकिस्तान और पश्चिमी एशियाई देशों से उपभोग के लिए आयातित सूखे सेबे, ताजे फल और सब्जियों के परेषणों का भू-भाग द्वारा आयात केवल अट्टारी-दगढ़ा सीमा से किया जाएगा।

(2) बोंने और प्रवर्धन या पौधे लगाने के लिए पदार्थों और बीजों के सभी परेषणों का भारत में आयात अनुमत्त सन्धि, कलकत्ता, दिल्ली और मद्रास स्थित भू सीमा-शुल्क केन्द्र समुद्रतटन वायुतटन और ऐसे अन्य प्रवेश बिन्दुओं से किया जाएगा जिसे केन्द्रीय सरकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट: अधिसूचित करे।

6(1) प्रवेश बिन्दु पर पहुँचने के पश्चात् परेषण का निरीक्षण पादप संरक्षण सलाहकार या उसके द्वारा इस निमित्त सम्यक् रूप से प्राधिकृत किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर जारी किए गए मार्गदर्शन के अनुसार पादप संरक्षण सलाहकार करेगा।

(2) पादप संरक्षण सलाहकार या उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी निरीक्षण धूमन या पीड़क-हरण विमर्कण, जो उसके द्वारा आवश्यक समझा जाए, के पश्चात् परेषण के भारत में प्रवेश के लिए कर्त्तवी निकासी वे सकेगा या लोक हित में परेषण को विनष्ट करने या मूल देश में उसकी वापसी की अपेक्षा कर सकेगा;

(3) जहाँ 1000 घनमीटर आयात से अधिक के पादपों, बीजों और फलों के परेषण की बाबत धूमन, या पीड़क-हरण या विमर्कण आवश्यक समझा जाए, वहाँ आयातकर्ता अपनी और से या अपनी लागत पर पादप संरक्षण सलाहकार द्वारा अनुमोदित किसी अभिकरण के माध्यम से परेषण के धूमन, विमर्कण या पीड़क-हरण की व्यवस्था पादप संरक्षण सलाहकार द्वारा इस निमित्त। सम्यक् रूप से प्राधिकृत अधिकारी के पर्यवेक्षण के अधीन करेगा।

(7) आयातकर्ता का निम्नलिखित दायित्व होगा :

(क) परेषण को संबंधित पादप कर्त्तवी और धूमन केन्द्र पर या निरीक्षण धूमन या प्रसाधन के ऐसे स्थान पर ले जाना जहाँ पादप संरक्षण सलाहकार या उसके द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत अधिकारी निवेशित करे ;

(ख) परेषणों को खोलना पुनः पैक करना और धूमन चम्बर में लादना या उतारना और परेषण को सोल बन्द करना।

(ग) पादप संरक्षण सलाहकार या उसके द्वारा सम्पन्न रूप से प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जारी किए गए विदेशों के अनुसार परेषणों को निरीक्षण और उपचार के पश्चात् हटाना।

(8) अन्य देशों को भेजे जाने के लिए आयातित परेषण को वायुपत्तन या समुद्र पत्तनों से या सीमा शुल्क केन्द्रों से होकर परिवहन की अनुज्ञा दी जाएगी परन्तु यह तब जब उन्हें इस रीति से पैक किया गया हो कि उनमें से किसी मृदा या सामग्री का प्लावन या किसी कीटनाशक का बाहर निकलना न हो सके और यह इस शर्त के भी अधीन होगा कि उन्हें भारत में किसी स्थान पर नहीं खोला जाता है।

(9) किसी भी परेषण का आयात तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि उसके साथ परेषण के मूल देश के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जारी किया गया पादप स्वच्छता प्रमाणपत्र न हो।

परन्तु यह कि वैयक्तिक उपभोग के लिए आयातित दो किलोग्राम से कम वजन वाले कट फलावर, माला, गुलदस्ता, फल और वनस्पतियों को पादप स्वच्छता प्रमाणपत्र या किसी आयात परमिट के बिना आयात करने की अनुज्ञा दी जा सकेगी।

(10) आयात के लिए परेषण को, इस आदेश के खंड 2 (छ) में यथा वर्णित पैक करने की सामग्री में पैक किया जाना चाहिए, ऐसे किसी परेषण को जिसमें पैक करने के लिए या पैक करने की सामग्री के एक भाग के रूप में पुआल या घास-फूस या पादप मूल की किसी सामग्री का प्रयोग किया गया हो, आयात की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी।

(11) पौधों, फलों या बीज के साथ खाद, मृदा, कम्पोस्ट, रेत, पौधे के मलबे के आयात के लिए अनुज्ञा निम्नलिखित शर्तों के अधीन ही दी जाएगी :—

(1) किसी सूक्ष्म जैविकीय, मृदा यांत्रिकी या खनिज विज्ञानीय जांचों के लिए मृदा, मिट्टी, कूले और समरूप सामग्रियों और उद्यान कृषि के प्रयोजनार्थ कोट के परेषणों को इस प्रयोजन के लिए आवेदन किए जाने पर विनिर्दिष्ट वायु या समुद्री पत्तनों या भू-सीमा शुल्क केन्द्रों के माध्यम से अनुज्ञप्ति दी जा सकेगी।

(2) ऊपर (1) में निर्दिष्ट प्रयोजन के लिए आवेदन पत्र प्रारूप "च" में पौधे संरक्षण सलाहकार को कम से कम एक मास अग्रिम किया जाएगा।

(3) पौधा संरक्षण सलाहकार, आवेदन की संवीक्षा करने के पश्चात् और उस प्रयोजन के लिए जिसके लिए ऐसे परेषणों का आयात किया जा रहा है उसका समाधान होने पर प्रारूप "छ" में विशेष अनुज्ञा-पत्र जारी कर सकेगा।

(4) परेषणों के पहुँचने के पश्चात् पौधे संरक्षण सलाहकार या इस निमित्त उसके द्वारा विधिक रूप से प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी परेषणों का निरीक्षण धूमन पीडकहरण या विसंक्रमण करेगा।

(12) परेषणों का आयातकर्ता या उसका अभिकर्ता पौधे संरक्षण सलाहकार या इस निमित्त उसके द्वारा विधिक रूप से प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी को परेषणों को छुड़ाने से पूर्व निरीक्षण, धूमन, पीडकहरण, विसंक्रमण की लागत को पूरा करने के लिए अनुसूची 3 में विहित फीस का संदाय करेगा।

#### अध्याय-3

##### 4. विशेष शर्तें :—

(1) अध्याय 2 में विनिर्दिष्ट साधारण शर्तों के अतिरिक्त इसमें इसके पश्चात् वर्णित वस्तुओं का आयात अनुसूची 2 में उनके लिए विहित विशेष शर्तों के अधीन रहते हुए किया जाएगा, अर्थात् :—

1. एलियम की सभी जातियाँ ;
2. केकाओं और स्टर्कुलसिया और बाम्बकेसी की सभी जातियाँ ;
3. निम्बुकुल की सभी जातियाँ ;
4. नारियल, कोको का बीज और सभी जातियाँ ;
5. काफी के पौधे और बीज और काफी की सभी जातियाँ ;
6. विनीला और गाम्सीपियम की सभी जातियाँ ;
7. वन वृक्षा के बीज ;
8. मूंगफली के बीज और अराचिस की सभी जातियाँ ;
9. लूकेने और मंडिकाओं की सभी जातियाँ ;
10. आलू और सोजानन की सभी जातियाँ ;
11. रबड़ और हिविया की सभी जातियाँ ;
12. गन्ना और सकेरम की सभी जातियाँ ;
13. तम्बाकू और निकोटियाना की सभी जातियाँ ;
14. बरसीम और ट्राईकोलियम की सभी जातियाँ ;
15. सूरजमुखी और हेलेयायुसे की सभी जातियाँ ;
16. गेहूँ और ट्राइटीकम की सभी जातियाँ ;
17. धान और आरजई की सभी जातियाँ ;
18. फलों और सजावटी पौधों की कटिंग, पौधे, कलिका अपवृण ;
19. फलों के बीज और पौधे सामग्री।

2. इससे इसके पूर्व उल्लिखित वस्तुओं के प्रत्येक परेषणों के साथ परेषण के मूल देश के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जारी किया गया पादप स्वच्छता प्रमाणपत्र होगा जिसके अंतर्गत यह अतिरिक्त घोषणा होगी कि वे अनुसूची 2 के स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट कीटों से रहित हैं।

#### अध्याय-4

##### प्रवेशोत्तर करंतीन

5. ऐसे पादपों और बीजों को जिन्हें इस आदेश की अनुसूची 2 में अधिकृत प्रवेशोत्तर करंतीन से अपेक्षित है, पादप संरक्षण सलाहकार द्वारा अधिकृत शर्तों की पूर्ति के लिए अभिहित निरीक्षण प्राधिकारों द्वारा अनुमोदित और प्रमाणित प्रवेशोत्तर करंतीन सुविधाओं में उगाय जाना। वह अवधि जिसके लिए और वे शर्तें जिनके अधीन ऐसी सुविधाओं में पौधे और बीज उगाए जाएंगे खंड 3 के अधीन दिए गए अनुज्ञा-पत्र में विनिर्दिष्ट की जाएगी।

6. प्रवेशोत्तर करंतीन सुविधाओं की स्थापना और व्यवस्था आयातकर्ता या उसके अभिकर्ता द्वारा अपनी लागत पर की जाएगी और वे भारत में परेषणों के पहुँचने के समय उपयोग के लिए तैयार रहेंगी आयातकर्ता अभिहित निरीक्षण प्राधिकारी से प्रमाणपत्र प्राप्त करेगा जो प्रवेशोत्तर करंतीन के निरीक्षण के पश्चात् यह प्रमाणित करेगा कि ऐसी प्रवेशोत्तर करंतीन की सम्पन्न स्थापना और व्यवस्था पादप संरक्षण सलाहकार के मार्गदर्शन के अनुसार की गई है। आयातकर्ता इस प्रमाणपत्र को परेषणों के पहुँचने के समय प्रविष्टि बिन्दु पर करंतीन के भारसाधक अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

7. (1) करंतीन, केन्द्र का भारसाधक अधिकारी यदि उसका परेषण के निरीक्षण के पश्चात् समाधान हो जाता है तो आयातकर्ता द्वारा खंड 7 में परिकल्पित अभिहित निरीक्षण प्राधिकारी से प्राप्त प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए जाने पर प्रवेशोत्तर करंतीन की शर्त पर करंतीन अनुज्ञा प्रदान करेगा जिसमें यह अनुबन्ध होगा कि आयात अनुज्ञापत्र में विनिर्दिष्ट अवधि तक प्रवेशोत्तर करंतीन में पौधे नहीं उगायी जाएगी।

(2) ऐसे पौधे और बीजों के परेषणों को, जिनके लिए प्रवेशोत्तर करंतीन को शर्तों के सहित करंतीन निकासी अपेक्षित है, अनुज्ञा प्रदान करने के पश्चात् प्रवेश बिन्दु पर करंतीन केन्द्र का भारसाधक अधिकारी

प्रवेशोत्तर करंतीन सुविधा पर अभिहित निरीक्षण प्राधिकारी को उस स्थान पर परेपण के पहुंचने की जानकारी देगा जहां आयातकर्ताओं द्वारा पोष उगाई जाएगी।

8. आयातकर्ता अधिकारी रखने वाले अभिहित निरीक्षण प्राधिकारी को ऐसी मामलों की रोप ई के समय के बारे में अभिहित जानकारी देगा।

9. आयातकर्ता अभिहित निरीक्षण प्राधिकारी की पौधों के निरीक्षण के लिए प्रवेशोत्तर करंतीन सुविधा तक पूरी पहुंच की अनुज्ञा देगा और प्रवेशोत्तर करंतीन में पौधों से संबंधित उसके सभी अनुदेशों का सभी समय पर पालन करेगा।

10. अभिहित निरीक्षण प्राधिकारी नाशकजीवों तथा रोगों के प्रपतन का पता लगाने के लिए और प्रवेशोत्तर करंतीन के अनुमोदन को शासित करने वाले साधारण निबंधनों और शर्तों के अनुपालन के लिए आयातकर्ता के प्रवेशोत्तर करंतीन प्रसुविध में उगाए गए पौधों का निरीक्षण करेगा। ऐसे निरीक्षण पौधे लगते समय तथा ऐसे अंतरालों पर किए जाएंगे जो अभिहित निरीक्षण प्राधिकारी पोष संरक्षण सलाहकार द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अनुसार आवश्यक समझे।

11. (1) अभिहित निरीक्षण प्राधिकारी पौधों की प्रवेशोत्तर करंतीन से ले जाने की अनुमति देगा, यदि वे आयात के अनुज्ञापत्र में विनिर्दिष्ट अवधि के लिए नाशकजीवों और रोगों से मुक्त पाए जाते हैं।

(2) जहां प्रवेशोत्तर करंतीन में पौधों की विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर नाशकजीवों और रोगों से प्रभावित पाया जाता है वहां :—

(क) यदि नाशकजीव या रोग अन्य स्थानिक हैं तो अभिहित निरीक्षण प्राधिकारी प्रवेशोत्तर करंतीन में के संपूर्ण या भागतः पोष समूह के प्रभावित परेपण को नष्ट करने अथवा उन्हें उसके मूल देश को लौटाने का आदेश देगा।

(ख) यदि नाशकजीव या रोग अन्य स्थानिक नहीं है तो अभिहित निरीक्षण प्राधिकारी आयातकर्ता को आवश्यक सीमा तक उपचारार्थक उपाय करने को सलाह देगा और प्रभावित पोष समूह की प्रवेशोत्तर करंतीन से ले जाने की अनुमति सभी देगा जब उपचारार्थक उपाय सफल पाए जाते हैं। अन्यथा पोष को नष्ट किए जाने का आदेश दिया जाएगा।

(3) जहां अभिहित निरीक्षण प्राधिकारी द्वारा किसी पोष समूह को नष्ट करने का आदेश दिया जाता है वहां आयातकर्ता उनको

अभिहित निरीक्षण प्राधिकारी के पर्यवेक्षण में विहित रीति नष्ट करेगा।

12. आयातकर्ता, प्रवेशोत्तर करंतीन सुविधा में पौधों के निरीक्षण के लिए अनुसूची 3 में अधिकथित विहित फीस का, संवय करने के लिए दायी होगा।

अध्याय-5

अपील और पुनरीक्षण

13. (1) यदि आयातकर्ता अभिहित निरीक्षण प्राधिकारी के किसी पोष समूह को नष्ट किए जाने के विनिश्चय से व्यथित है तो वह विनिश्चय की संसूचना की तारीख से सात दिन के भीतर अपील करने के कारण बताते हुए पोष संरक्षण सलाहकार को अपील कर सकेगा।

(2) पोष संरक्षण सलाहकार के लिए यह विधिपूर्ण होगा कि वह अपील का विनिश्चय करने के लिए अभिहित निरीक्षण प्राधिकारी के संश्लेषण पर तथा ऐसे अन्य विशेषज्ञ की राय पर, जो वह आवश्यक समझे, विश्वास करे।

14. अपील के ज्ञापन में विनिश्चय को चुनौती देने के आधारों का उल्लेख किया जाएगा और उसके साथ दस रुपए की फीस से संवाय के साथ स्वल्प खजाना चालान होगा।

15. पोष संरक्षण सलाहकार, अभिहित निरीक्षण प्राधिकारी द्वारा पारित किसी विनिश्चय की वैधता तथा औचित्य के बारे में अपना समाधान करने के प्रयोजन के लिए अभिहित निरीक्षण प्राधिकारी के समक्ष संबित किसी मामले से संबंधित अभिलेख को किसी भी समय संग्रहित करेगा और उसके संबंध में ऐसा आदेश पारित कर सकेगा जो वह ठीक समझे।

परन्तु विनिश्चय की तारीख से तीन मास के अवधान के पश्चात् ऐसा कोई आदेश पारित नहीं किया जाएगा।

परन्तु यह और कि पोष संरक्षण सलाहकार, किसी व्यक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कोई आदेश उसे चुनवाई का मुकियुक्त अवसर दिए बिना, पारित नहीं करेगा।

अध्याय-6

16. शिथिलीकरण की शक्तियां :—केन्द्रीय सरकार, लोक हित में किसी परेपण के आयात के संबंध में अनुज्ञापत्र और पदप स्वच्छता प्रमाणपत्र से संबंधित इस आदेश को किन्हीं शर्तों की शिथिल कर सकेगी।

[सं. 8-4/87-पो. पी. 1

बी. चरमिम्हन्, संयुक्त सचिव

प्रारूप-क

[खंड (3) (2) (1)]

उपभोग के लिए बीजों/फलों/पादपों के आयात की अनुज्ञा के लिए आवेदन

तथा में,

प्रघोहस्ताक्षरी नीचे दिए गए व्योरे के अनुसार उपभोग के लिए बीजों/फलों/पादपों के आयात को प्राधिकृत करने के अनुज्ञापत्र के लिए आवेदन करता है :

(कृपया बड़े अक्षरों में लिखें/टाइप करें)।

1. आयात किए जाने वाले बीजों/फलों के नाम और ठीक-ठाक विवरण।
2. परेपण का विवरण और क्वालिटी :
3. परेपणकर्ता का नाम और पता :
4. आयातकर्ता का नाम और पता :
5. देश और स्थान, जहां पर वह उगाया या पैदा किया जाता है :

6. पोत लदान का विदेशी पत्तन :
7. भारत में परेषण के पहुँचने की संभावित तारीख :
8. भारत में प्रवेश के लिए हवाई/समुद्री पत्तन:  
भू-सीमा शुल्क स्टेशन का नाम
9. आयात करने का विनिर्दिष्ट प्रयोजन:

मैं अनुज्ञापत्र में विनिर्दिष्ट अतिरिक्त घोषणा, यदि कोई हो, के साथ जागकी: पादप स्वच्छता प्रमाणपत्र, प्रस्तुत करने का बचन देता हूँ। मैं पादप संरक्षण सलाहकार या उसके द्वारा सम: रूप से प्राधिकृत किसी अधिकारी को ऊपर उल्लिखित परेषण के निरीक्षण, धूमन, पीड़कहरण और विसंक्रमण की लागत को पूरा करने के लिए विहित फीस संदत्त करने का भी बचन देता हूँ।

स्थान:

आयातकर्ता या उसके  
प्राधिकृत अभिकर्ता के हस्ताक्षर  
या

आयातकर्ता या उसके  
प्राधिकृत अभिकर्ता का नाम  
तथा डाक का पता

तारीख:

जो लागू नहीं हो उसे काट दें।

नोट : प्राख "ख" संभ 2,3,4, 17 और परिवचन "ए" को भी प्ररूप में सम्मिलित किया जाता चाहिए।

उपाबन्ध-2

प्ररूप ख

[खंड 3, शर्त (2) देखिए]]

बीजे/पादप लगाने के लिए बीजों और पादपों के आयात के अनुज्ञापत्र के लिए आवदन  
सेवा में,

सक्षम प्राधिकारी,

अधोहस्ताक्षरी नीचे दिए गए शर्तों के अनुसार बीजों/पादपों के आयात को प्राधिकृत करने वाले एक अनुज्ञापत्र के लिए आवेदन करता है :  
(कृपया बड़े अक्षरों के लिखें/टाइप करें)

1. आयातकर्ता का नाम और पता :

2. क्रम	आयात किए जाने वाले बीजों/पादपों संकर किस्म के बीज/पादपों के नाम	मात्रा
सं.	का डीक-डोका वर्णन दें (उनका वाणिज्यिक और वानरूपतिक नाम बताएं)	पैकेजों की कुल वजन संख्या (अथवा प्रवर्धों सामग्री की कुल संख्या)
1	2	3

3. \*बीज उत्पादक की सूची जिसमें आयात किए जाने वाले  
बीज/पादप सामग्री की पहचान स्थापित की गई हो :

4. उत्पादक कंपनी का नाम और पता :
5. परेषक का नाम और पता :
6. उस देश और परिक्षेत्र का नाम, जहाँ बीज/पादप रोपण  
सामग्री उगाई जाती हो :
7. पोत लदान का विदेशी पत्तन :
8. भारत में परेषण के पहुँचने की अनुमानित तारीख और  
हवाई/समुद्र पत्तन /भू-सीमा शुल्क केन्द्र का नाम :
9. रजिस्ट्रीकरण की संख्या और तारीख राष्ट्रीय बीज निगम/

राज्य कृषि/वानकी निदेशक \* \* /केंद्रीय/राज्य सरकार प्राधि-  
कारियों द्वारा दिए गए प्रमाणपत्र (फोटो प्रतियों के साथ) :

10. मोटे उन्नत, तिलहनों और बालों के बीजों के वाणिज्यिक  
आयात के लिए आवेदन अनुज्ञप्ति का संख्यांक और तारीख  
(फोटो प्रति संलग्न की जाए)
11. केवल ऐसे आयातों के लिए जिनके लिए प्रवेशोत्तर करंतीन  
निरीक्षण विहित किया जाता है :
- (क) डीक परिक्षेत्र और उसका डाक पता जहाँ आयातित  
बीजों/पादपों को उगाया जाएगा

1	2	3	4(क)	4(ख)
(ख) उस अभिलिखित निरीक्षण अभिकरण का नाम, डाक पता जिसकी देख-रेख में आयातित बीज/पादप उगाया जाएगा :				
12. घोषणा				
मैं घोषित करता हूँ कि इसमें दी गई सूचना मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सही है।				
मैं ऐसी अतिरिक्त घोषणाओं, यदि कोई हो, जैसा अनुज्ञापत्र में विनिर्दिष्ट किया गया है, के साथ एक शाश्वतीय पादप-स्वच्छता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने का वचन देता हूँ।				
मैं ऊपर निर्दिष्ट परेषण के निरीक्षण, धूमन, पीड़कहरण और विसंक्रमण की लागत को पूरा करने के लिए पादप संरक्षण सलाहकार या उसके द्वारा सम्युक्त रूप से प्राधिकृत अधिकारी को विहित फी का संदाय करने का भी वचन देता हूँ।				
स्थान :			आयातकर्ता या उनके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर	
तारीख :				
*यदि मूल सूची नहीं प्रस्तुत की जा सकती है तो सूची (केटालाग) के सुख पुष्ठ और सुसंगत भाग की फोटो प्रति/बीजों/पादप रोपण सामग्री की पड़वान को सिद्ध करने वाले दस्तावेजों की फोटो प्रतियाँ।				
**केवल खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए।				
***जो लागू न हों उसे काट दें।				
प्रारूप 'ग' [खंड 3 (3)] (राष्ट्रीय संप्रतीक) भारत सरकार कृषि मंत्रालय (कृषि और गृहकारिणा विभाग)				
पादप संरक्षण, करंतीन और भंडारण निवेशालय, एन.एच. 4, फरीदाबाद-121001				
उपभोग करने के लिए फलों/बीजों/पादपों के आयात के लिए अनुज्ञापत्र				
अनुज्ञापन संख्याक .....			तक विधिमाम्य	
तारीख .....				
1. .... का				
(आयातकर्ता या उसके अधिकृत अधिकारी का नाम और पता) .....				
..... परेषणकर्ता का नाम व पता मैं लगाए जाने वाले या उत्पादित इसमें विनिर्दिष्ट				
पादपों/बीजों/फलों का वायु/समुद्र/सूक्ष्माणुशुद्ध केन्द्र से .....				
(पतन/केन्द्र का नाम)				
सड़क से होकर ; .....			सीधे दिए गए व्यूरे के अनुसार आयात करने	
की अनुज्ञा प्रदान की जाती है।				
1. आयात किए जाने वाले बीजों/फलों का नाम और सही विवरण				
2. परेषण का वर्णन और उसकी मात्रा :				
3. देश और परिक्षेत्र जहाँ से उगाए या उत्पादित किए गए हैं :				
4. लक्षण का विदेशी पत्तन :				
5. आयात का विनिर्दिष्ट प्रयोजन :—				
2. परेषण के साथ :				
(i) मूल का उत्पादन करने वाले देश (अर्थात्* .....			(प्राधिकृत अधिकारी	
द्वारा जारी किया गया सरकारी पादप स्वच्छता प्रमाणपत्र साथ होना चाहिए :				
(ii) सरकारी पादप स्वच्छता प्रमाणपत्र में निम्नलिखित घोषणाएँ भी होंगी :—				
(क) .....				
(ख) .....				
3. मात्रा और वर्णन :				
4. यह अनुज्ञापत्र हस्तान्तरणीय नहीं है।				
स्थान :			सक्षम प्राधिकारी के हस्ताक्षर	
तारीख :			(सुभा)	
*यहाँ मूल देश का नाम विनिर्दिष्ट				

प्रति निम्नलिखित को :

- (1) सीमा शुल्क कलक्टर .....  
 ..... (सीमा शुल्क कलक्टर का पता)
- (2) प्रभारी अधिकारी, पौध करंतीन एवं धूमन केन्द्र .....  
 ..... (केन्द्र का नाम व पता)

टिप्पण : (1) आयातकर्ता अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकर्ता प्रेषण के भू-सीमाशुल्क केन्द्र यथवा प्रवेश पत्तन पर पहुंचने के समय पादप संरक्षण मलाहकार एवं उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा निरीक्षण के लिए अनुज्ञापत्र प्रस्तुत करेगा।

- (2) आयातकर्ता के पते के किसी भी परिवर्तन की सूचना अनुज्ञापत्र जारी करने वाले प्राधिकरण को तुरन्त देना होगी।

प्रारूप "घ"

[खण्ड 3(3)]

(राष्ट्रीय संप्रतीक)

भारत सरकार

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहायता विभाग)

पादप संरक्षण, करंतीन और भंडारण निदेशालय

एन. एच. 4 फरीदाबाद-121001

बुझाई/पौध रोपण के लिए बीजों और पौधों का आयात करने के लिए अनुज्ञापत्र

संख्याक ..... तक वैध

1. .... से  
 (आयातकर्ता या उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकर्ता का नाम और पता)

को .....  
 (परेषणकर्ता का नाम और पता)

..... में उगाए गए अथवा उत्पादित इसमें विनिर्दिष्ट पौधों/बीजों/कलों का वायु/समुद्र/भू-सीमा शुल्क केन्द्र से आयात वायु/समुद्र/पत्तन/सड़क से होकर

(पत्तन/केन्द्र का नाम)

केन्द्र के जरिए ..... नीचे दिए गए ध्यौरे के अनुसार करने की अनुज्ञा प्रदान की जाती है।

सं. आयात किए जाने वाले बीजों/पादपों का सही-सही वर्णन (उनके वाणिज्यिक और वानस्पतिक नाम बताएं)	संकर किस्म के नाम	मात्रा
		पैकेजों की संख्या प्रसार की सामग्री कुल भार या कुल संख्या
1	2	3
		4क
		4ख

बीज उत्पाद की सूची जिसमें आयात किए जाने वाले बीज/पादप सामग्री की पहचान बताई गई हो :

उत्पादन करने वाली कंपनी का नाम और पता :

परेषक का नाम और पता :

उस देश और परिक्षेत्र का नाम जहाँ बीज/पादप सामग्री उगाई गई :

पौतलदान का विदेशी पत्तन :

भारत में परेषण के पहुंचने की अनुमानित तारीख और वायु/

समुद्री पत्तन/भू-सीमा शुल्क केन्द्र का नाम :

1	2	3	4(क)	4(ख)
8.	राष्ट्रीय बीज निगम/राज्य कृषि/उद्यान कृषि निदेशक केन्द्रीय या राज्य सरकार प्राधिकारियों द्वारा दिए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का संख्यांक और तारीख (उनकी फोटो प्रति के साथ) :			
9.	मोटो मत्तजों, निहन्तों और दण्डनों के बीजों के वाणिज्यिक आयात के लिए आयात अनुज्ञापत्र का संख्यांक और तारीख) : (फोटो प्रति संलग्न की जाए)			
10.	केवल ऐसे आयातों के लिए जिनके लिए प्रवेशोत्तर करंतीन निरीक्षण विहित किया गया है :			
(क)	सही स्थान और उसका डाकीय पता जहाँ आयातित बीजों को उगाया जाएगा :			
(ख)	ऐसे अभिलिखित निरीक्षण अभिकरण का नाम, डाकीय पता जिसकी देखरेख में आयातित बीज/पौध उगाये जाएंगे :			
2.	पौधों/बीजों के परेषण का:			
(i)	मृदा और बीजों से मुक्त :			
(ii)	मूल देश के प्राधिकृत अधिकारी (अर्थात्*—			
	द्वारा जारी किया गया शासकीय पादप स्वच्छता प्रमाण पत्र साथ होना चाहिए ।			
(iii)	शासकीय पादप स्वच्छता प्रमाण पत्र में निम्नलिखित घोषणाएं भी अनिवार्य होंगी :-			
(क)	_____			
(ख)	_____			
(ग)	_____			
3.	पौधे/बीज _____ को पादप संरक्षण (स्थान का नाम और पता)			
	सलाहकार द्वारा अतमोदिन प्रवेशोत्तर करंतीन के अग्रोत इतनी अवधि के लिए जो _____ दिन से अधिक न हो उगाया जाना चाहिए ।			
4.	मास्य और विवरण			
5.	यह अनुज्ञापत्र अहमदाह्वरणीय है ।			
स्थान :			समक्ष प्राधिकारी के हस्ताक्षर	
तारीख :			मुद्रक	

प्रति निम्नलिखित की :-

(1) सीमा शुल्क कलक्टर

(सीमा शुल्क कलक्टर का पता)

(2) भारमाधक अधिकारी, पादप करंतीन और धूमन केन्द्र

(केन्द्र का नाम)

टिप्पण : 1 आयातकर्ता या उसका प्राधिकृत अधिकर्ता परेषण के भू सीमा शुल्क केन्द्र प्रवेश पत्तन पर पहुँचने के समय पात्र, संरक्षण सलाहकार या उसके द्वारा प्राधिकृत किया अधिकारी द्वारा निरीक्षण के लिए यह अनुज्ञापत्र पेश करेगा ।

टिप्पण : 2 आयातकर्ता पते में किसी परिवर्तन की सूचना अनुज्ञापत्र जारी करने वाले प्राधिकारी को तुरन्त भेजेगा ।

\*यहाँ मूल देश का नाम विनिर्दिष्ट करें ।



प्रारूप "क"

[खण्ड 3 (4)]

टैग का मुख भाग

इस पैकेज में वाशवान पोषे/बीज हैं :  
बीज परिवर्त करें :

भारताधिक अधिकारी  
पोषकरत्तीन और धूमन केन्द्र का विमान परतन/समुद्री परतन/भू सीमा शुल्क केन्द्र

सम्पन्न अधिकारी के हस्ताक्षर

टैग का पृष्ठ भाग

अनुज्ञापन संख्याक \_\_\_\_\_ तारीख \_\_\_\_\_ तक विधिमन्य पीछे  
बीज भेजने के लिए निर्देश

इस टैग के अंतर्गत अनुज्ञापन में दी गई सामग्री जिसकी संख्याक संख्या उसमें दी गई है वृत्त की जानी चाहिए।

कोई अन्य सामग्री अधिकृत की जा सकती है।

पैकेज के अन्दर आयातकर्ता का नाम और पता, बीजक और अपने देश के प्राधिकृत अधिकारियों द्वारा जारी किया गया सरकारी पाष्य स्वच्छता प्रमाण-पत्र रखें। सन्ध द्वारा आयात के मामले में सभी वस्तुवैज प्रेषितों की वापसान द्वारा भेजें।

परिषणों पर टैग सुरक्षित लगाएं।

प्रारूप-घ

[(खण्ड 3) (11) (ii)]

मुद्रा/पीट के आयात के लिए आवेदन

सेवा में,

पाष्य संरक्षण सलाहकार, भारत सरकार,  
पाष्य संरक्षण करत्तीन और भंडारण निवेशालय  
एन.एच. 4 फरीदाबाद।

अवाहस्ताक्षरकर्ता निम्नलिखित व्यौरे के अनुसार मुद्रा/पीट के आयात को प्राधिकृत करने के लिए विनोय अनुज्ञापन के लिए आवेदन करता है :-  
(स्पष्ट अक्षरों में)

1. आयात किए जाने वाले मुद्रा/पीट की भासा का सही व्यौरा :
2. ऐसे स्थान (गांव, शहर, जिला, देश) का व्यौरा जहां से आयात किया जाए :
3. परिषण की पैकिंग की रीति:
4. आयात के विशिष्ट प्रयोजन :
5. परिषण भेजने वाले का नाम और पता :
6. आयातकर्ता का नाम व पता :
7. पीन छवाई का विदेशी परतन :
8. भारत में परिषण के पहुंचने की अनुमानित तारीख और विमान परतन या समुद्री परतन या भू-सीमा शुल्क केन्द्र का नाम :
9. बह विशिष्ट स्थान जहां परिषण का उपयोग किया जाएगा :

मैं, उपरोक्त परिषण के निरीक्षण, धुमन पॉइक हरण या जिसकमग की लागत को पूरा करने के लिए पाष्य संरक्षण सलाहकार या उनके द्वारा विधिक हा में प्राधिकृत किसी प्राधिकारों की विहित फीम का सदाय करने का वचन देता हूं।

स्थान :

तारीख :

आयातकर्ता या उसके प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर  
अधिकारी या उसके प्राधिकृत अधिकारी का नाम और डाक पता

प्रारूप—८

[पृष्ठ 3(11) (iii)]

(राष्ट्रीय संप्रतीक)

भारत सरकार

(कृषि मंत्रालय)

(कृषि और सतृकार्पि विभाग)

पादप संरक्षण, करंतीन और भंडारण निदेशालय

एन.एच. 4 फरीदाबाद-121001

मृदा/पीठ के आयात के लिए अनुमतिपत्र

विशेष अनुमतिपत्र सं.

तारीख

तारीख

यह विधिमार्ग

1.

(आयातकर्ता या उसके अधिकर्ता का नाम और पता)

(परेषण कर्ता का नाम व पता)

से होकर

(भू. सीमा शुल्क केन्द्र/बायु/समुद्र पत्तन का नाम)

निम्नलिखित धोरणों के अनुसार मृदा/पीठ का आयात भू. सीमा शुल्क केन्द्र/बायु/समुद्र पत्तन द्वारा चिपू जाने की अनुमति देता है :

1. आयात की जाने वाली मृदा/पीठ की मात्रा का सही ब्यौरा
2. ऐसे स्थान (गांव, शहर, जिला, देश) का ब्यौरा जहां से आयात किया जाएगा :
3. परेषण की प्रकृति की प्रकृति :
4. आयात का विनिष्ठ प्रयोजन :
5. निदेशन का विशेषीकरण :
6. निदिष्ट स्थान जहां परेषण का उपयोग किया जाना है :

7. यह अनुमतिपत्र अहस्ताक्षरणीय है ।

(मृदा)

स्थान :

पादप संरक्षण सहायक  
भारत सरकार के द्वारा

तारीख :

प्रति :

1. सीमा शुल्क क्लर्क

(सीमा-शुल्क क्लर्क का पता)

2. भारसाधक अधिकारी, पादप करंतीन और भूमन केन्द्र

केन्द्र का नाम व पता

टिप्पण :— आयातकर्ता या अधिकृत अधिकर्ता भू. सीमा शुल्क केन्द्र या प्रवेशपत्तन पर परेषण के पहुंचने के समय इस अनुमतिपत्र का पादप संरक्षण सहायक या उसके द्वारा सम्बन्ध रूप से अधिकृत अधिकारी की निरीक्षण के लिए प्रस्तुत करेगा ।

टिप्पण : आयातकर्ता के पते में किसी परिवर्तन के बारे में तत्काल पादप संरक्षण करंतीन और भंडारण निदेशालय को सूचित करेगा ।

अनुमृती 1

[पृष्ठ 2 (ब)]

सरकारी पादप स्वच्छता प्रमाणपत्र

का

संबंधित

(देश का नाम)

पादप संरक्षण संगठन

सेवा में,

पादप संरक्षण सहायक, भारत सरकार  
पादप संरक्षण करंतीन और भंडारण निदेशालय,  
एन.एच. 4, फरीदाबाद-121001 (भारत)  
परेषण का वर्णन

निर्यातकर्ता का नाम और पता :

पंक्ति का चिह्नित नाम और पता : \_\_\_\_\_

पंक्तियों का संख्या और वर्ग : \_\_\_\_\_

सुचिबद्ध बिन्दु : \_\_\_\_\_

सूचक स्थान : \_\_\_\_\_

प्रवृत्ति के चिह्नित स्थान : \_\_\_\_\_

चिह्नित प्रत्येक पंक्ति/सूचक स्थान : \_\_\_\_\_

उत्पादक का नाम और चिह्नित स्थान : \_\_\_\_\_

पादकों/बीजों/कृषकों के बाणिज्यिक और  
वाणिज्यिक नाम : \_\_\_\_\_

यह प्रमाणित किया जाता है कि ऊपर वर्णित पौधों या पौध उत्पादों का निरीक्षण किया गया है और उन्हें कर्तव्य नाशकशीलों से मुक्त और अन्य  
निराकरण नाशकशीलों से स्वच्छ माना गया है; और उन्हें आयातकर्ता देश के विद्यमान पादप स्वच्छता विनियमों के अनुरूप माना गया है।  
पोषकत्व और/वा विषयगत उद्देश्य

तारीख : \_\_\_\_\_ उपचार : \_\_\_\_\_

रसायन (संक्षिप्त संकेत) : \_\_\_\_\_ अधि और तापमान : \_\_\_\_\_

संवेदन : \_\_\_\_\_

अतिरिक्त जानकारी : \_\_\_\_\_

अतिरिक्त घोषणा : \_\_\_\_\_

संगठन की मुहर : \_\_\_\_\_

जारी करने का स्थान : \_\_\_\_\_

आधिकृत अधिकारी का नाम : \_\_\_\_\_

हस्ताक्षर : \_\_\_\_\_

तारीख : \_\_\_\_\_

इस प्रमाणपत्र को बाबत कोई विस्तार दायित्व : \_\_\_\_\_

(पादप संरक्षण संगठन का नाम)

या उसके किन्हीं भी अधिकारियों या प्रतिनिधियों पर नहीं होगा।

\*संकेतित: खड/

अनुसूची-2

[खंड 4]

नुबाई, पौध लगाने और उपभोग के लिए पादप, बीजों के आयात की शर्तें

क्रम सं०	पादप, बीज और सर्वसैन सामग्री	वे देश जहाँ से आयात करना प्रतिषिद्ध है	नाशक जीव जिनके लिए सार्वजनिक पादप स्वच्छता प्रमाणपत्र में अतिरिक्त घोषणा अपेक्षित है	आयात के लिए विशेष शर्तें
1	2	3	4	5
1.	विषम की समस्त जातियाँ (ज्यादा पशुपुन, लीक, चाईक और गैलिट्टा आदि)	—	कंड (यूरोसिफिटस कैपुले (सना और शल्क कां व सूतकृमि आइटाईलेकड डिपसासी)	—

1	2	3	4	5
2.	केकी और स्टर्कलितसीया तथा बाम्बे-कंसी परिवार की सभी जातियाँ	बैस्टर्ड्जीज, अफ्रीका और श्रीलंका	फलीबिलन (मोनिलिया रोराय मीली फली (ट्रेकीसफेरिया फ्रफ्टोजेना), बिसेज (बम त्रीनीपेलिया परनीशियस) और शून प्ररीह बाइरस	प्रवेशोत्तर करंतीन के अधीन आयातित बीजों और पादप की उगाता
3.	निंदुकुल की सभी जातियाँ (नीबू, लाईम संतरा, अंगूर फल आदि)		"माल सेकी" (डमूठरीकोमा ट्राकीफिलिया)	प्रवेशोत्तर करंतीन के अधीन आयातित बीजों और पादप की उगाता
4.	नारियल के बीज और पीछे (कोका की सभी जातियाँ)		लाल बलय (रेडिनाफेलिनस कोकीफिलिस) लेयाल, येलाईग, कडग केडग ब्रान्च पत्ती स्थान, भाम खोपरा रोय, पत्ती मुयस खोपरा पत्ती माइनर (प्रोमकीबका कमीरी)	(i) परेषण का आयात केवल का आयात निदेशक, केन्द्रीय पादप रोपण प्रसन्न धनुसंधान संस्थान कासरगोड (केरल) द्वारा किया जा सकता है। (ii) प्रवेशोत्तर करंतीन के अधीन आयातित सामग्री पृथक्-पृथक् आयातों में उगाई जाएगी।
काफ़ी				
(क)	पादप, बीज (काफ़ी की सभी जातियाँ)		अमरीकन लीक स्वाइट (आमकेलिया फलेबिडा)	(1) काफ़ी बीज पादप के परेषण का आयात केवल निदेशक, काफ़ी अनुसंधान स्टेशन, पिन-577 117, कर्नाटक द्वारा किया जा सकता। काफ़ी बीजों के निदेशक (हार्ड-पीपनेमस हेमपी)
(ख)	काफ़ी की फसल	श्रीलंका, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका		
6.	बिमीला (कपास-सम की सभी जातियाँ)		लैंक आम (जेम्बोमीनास माल्लबासीरम) और (गलोमोरेला गोसाईनी)	बीजों के परेषण का आयात केवल निदेशक, केन्द्रीय कपास धनुसंधान संस्थान, नागपुर (महाराष्ट्र) द्वारा किया जा सकता है।
पनिको बीज (पाइनस, अलमस और कास्टेनिया की सभी जातियाँ)				
			कोरोनारिटियम रिबोकोला एनडोथिया पेरसाईटिका सोराटोईस्टिस अलमी डोथीप्रोस्ट्रोमा पिनो लेबोडरमिनम पाईनास्ट्रस	परेषण का आयात केवल निदेशक, जैव विज्ञान धनुसंधान, वन धनुसंधान संस्थान, मई वन चौकी, देहरादून अथवा केन्द्रीय या राज्य सरकार के अस्तित्व किसी संगठन द्वारा किया जा सकता है।
7.	मूंगफली के बीज (पीनट) (एरेकिस की सभी जातियाँ)		(i) पक्सलिया एरेकडिस और सकेसी लोमा एरेकडिस से मुक्त क्षेत्रों में बीजों का उत्पादन (ii) उगाए जाने वाले सक्रिय मौसम में मूल फसलों का निरोक्षण और पीनट मोटल पीनट स्टैंड एवं साजिनन कलोरो-सिस बाईरस से मुक्ति के लिए प्रमाणन	(i) परेषण का निदेशक को बीज के रूप में ही आयात किया जा सकता है। (ii) अनुसंधान कार्य के लिए ही बीज का आयात किया जा सकता है। (iii) उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका से आने वाले परेषण की इसका उत्पादन तक करने वाले देशों में मध्यवर्ती प्रवेशोत्तर करंतीन प्रसुविधा में उगाया जाएगा और दक्षिण पौध अथवा कटिंस का ही आयात किया जाएगा।
9.	खूकीन (मेडोकार्तों की समस्त जातियाँ)		जीवाणुज स्थानी (कोरोनेविकटोरियम इनसीडायोसम)	
10.	आमू (सीलास की सभी जातियाँ)		चर्मको (सिन्किट्रियम एन्ड्रो बायोरिकम सिस्ट नेमाटोइस (सोलाबोडिया पालिडा पी. रोस्टोवेनेसिस (लेप्टिनमोटारिस डेसीमिलीनीटा) और बायरस रीतों से मुक्त फसलों का स्वतन्त्रता।	(i) परेषण, केवल पादप, कपास आमू अनुसंधान संस्थान, शिमला (हिमाचल प्रदेश) द्वारा ही अनुसंधान के लिए आयात किया जा सकता है। (ii) परेषण प्रवेशोत्तर करंतीन में उगाया जाएगा।
11.	खड़ (हेबिया की सभी जातियाँ)	अमेरिका या बैस्टर्ड्जीज	सांउथ अमरीकन लीक स्वाइट (माइक्रो-साइकलस उत्थी (सुटोस्टिस प्रभायी)	

1	2	3	4	5
12. गन्ना (सैकैरम की समस्त जातियाँ)	क्रोबो, न्यू गुआना आस्ट्रेलिया किलिपीन	पसीदाह (जेन्सोमोनस अलबीनेंस) संशति (जेन्सोमोनस बासकलोरेम), एबेन पत्ता मुडुरोमिल आसिता और क्लोराईटी रेखा	(i) परेषण केवल निदेशक, गन्ना प्रजनन संस्थान, कौयम्बेनूर (तमिलनाडु) द्वारा आयात किया जाएगा। (ii) परेषण प्रवेशोत्तर करंतीन में उगाया जायेगा।	
13. सूरजमुखी (हेलीरिन्स की सभी जातियाँ)	अर्जेंटीना, पेरू	मुबुरोमिल आसिता (प्लेजमोपोरा हालसटेडी, (आरोबेन्की केमना)	—	
14. तम्बाकू (निकाटिअना की सभी जातियाँ) (क) तंबाकू बीज	—	बल्बू मोलड (पेरोमोस्पोरा टेबेसीना)	(i) बुवाई और पौध लगाने के लिए तम्बाकू बीज केवल निदेशक, केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान, राजमुन्दरी (आन्ध्र प्रदेश) द्वारा अनुसंधान के लिए आयात किया जायेगा।	
(ख) अभिनर्मित तम्बाकू	—	तम्बाकू माथ (एक्रोस्टिया एन्थुटेसिया)	(ii) परेषण प्रवेशोत्तर करंतीन में उगाया जायेगा।	
15. बरसीम (ट्राइकोलियम की सभी जातियाँ)	—	शल्क कंद और तना सूत्रकृतिम (डीटेन्तचस डिपेन्सी)	(i) बुवाई और रोपण के लिए परेषण केवल निदेशक, राष्ट्रीय पाषप धानुबंशिक संसाधन ब्यूरो, नई दिल्ली द्वारा आयातित किया जायेगा। (ii) परेषण प्रवेशोत्तर करंतीन में उगाया जायेगा।	
16. सेहू (ट्रिटिकम की सभी जातियाँ) (क) बुवाई और पौध लगाने के लिए	—	अर्गट (क्लेमार्सिपस परप्पूरिओ) वामन बंट (टिलेशिया कंदावरसा), स्वाइफिलेट बिपलन (स्वडोमोनास एट्रोपाशियस) और घान्यगार धुन (सिटोफिलस प्रेनेरियस)	(i) अर्गट 0.05 प्रतिशत सीमा से अधिक नहीं होगा। (ii) वामन बंट 0.05 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।	
(ख) उपभोग के लिए	—	घान्यगार धुन (सिटोफिलस प्रेनेरियस)	—	
17. घान. बीज/घाबण	—	घान्यगार धुन (सिटोफिलस प्रेनेरियस)	—	
18. कटिंग/बालवृक्षों की कलिका दहनी और अलंकारी पौधे।	—	विदेशी नाशकजीवों और रोगों को आयात अनुज्ञापन में विनिर्दिष्ट किया जायेगा।	परेषण अनुमोदित प्रवेशोत्तर करंतीन में उगाया जायेगा।	
19. पौध स:मशी/कलों के बीज	—	विदेशी नाशकजीवों और रोगों को आयात अनुज्ञापन में विनिर्दिष्ट किया जायेगा।	(i) किसी राज्य सरकार के उद्धान कृषि/ कृषि निदेशक की सिफारिशों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जयन के आधार पर आयात की अनुज्ञा दी जायेगी। (ii) परेषण को पाषप संरक्षण सहायकार द्वारा विनिर्दिष्ट प्रवेशोत्तर करंतीन शर्तों के अधीन उगाया जायेगा।	

## अनुसूची 3

## अ-निरीक्षण फीस

[खंड 3(12) और 12]

क्रम सं.	आयात के व्योरे	साक्षात्/वजन	फीस
1	2	3	4
1. अनुसूची 2, खंड 4 के अधीन रोपण के लिए पाषप, कटिंग, या सवृक्ष, कलिका, दहनी आदि जिनके लिये प्रवेशोत्तर करंतीन अपेक्षित है।		(1) 10 संख्या तक (2) 10 संख्या से अधिक प्रत्येक सौ संख्या या उसके भाग के लिए (3) 100 संख्या से अधिक 1000 संख्या तक या उसके भाग तक (4) 1000 संख्या से अधिक 10,000 संख्या तक (5) 10,000 संख्या से अधिक	शून्य 50/- रुपए 250/- रुपए 500/- रुपए प्रति 1000 संख्या या उनके भाग के लिए 250/- रुपए

1	2	3	4
2. रोपण के लिये पीप, शल्कई, कंव, धान्य, आदि।	(1) 10 संख्या तक	शून्य	
	(2) 10 संख्या से अधिक 1000 संख्या या उनके भाग तक	100/- रुपये	
जिनके लिए प्रवेशोत्तर करंतीय अपेक्षित नहीं है।	(3) 1000 संख्या से अधिक (क) मोटे अनाज/दलहन/तिलहन के लिए	100/- रुपये 0.05 रुपये प्रति मव	
3. बुवाई के लिये बीज	(1) 100 ग्राम तक	शून्य	
	(2) 100 ग्राम से अधिक, प्रति 1 कि.ग्राम या उनके भाग के लिए	2/- रुपये	
	(3) 1 कि.ग्रा. से अधिक, प्रति 10 कि.ग्रा. या उसके भाग के लिए (ख) वनस्पति फूलों के लिये	10/- रुपये	
	(1) 100 कि.ग्रा. तक	1 रु. प्रति कि.ग्राम	
	(2) 100 कि.ग्रा. से अधिक 1000 कि.ग्रा. तक	0.50 रु. प्रति कि.ग्रा. 7	
	(3) 1000 कि.ग्रा. से अधिक (ग) अन्य के लिये	0.20 रु. प्रति कि.ग्राम	
	(1) 10 कि.ग्रा. से अधिक प्रति 200 कि.ग्रा. या उसके भाग के लिए	100/- रुपये	
	(2) 100 कि.ग्रा. से अधिक प्रति 1000 कि.ग्रा. या उसके भाग के लिये	500/- रुपये	
4. उपभोग के लिए पावप, बीज और फल	(1) 2 कि.ग्रा. तक	शून्य	
	(2) 2 कि.ग्रा. से अधिक, प्रति 10 कि.ग्रा. या उनके भाग के लिये	2/- रुपये	
	(3) 10 कि.ग्रा. से अधिक, प्रति 100 कि.ग्रा. या उनके भाग के लिए	20/- रु.	
	(4) 100 कि.ग्रा. से अधिक प्रति 1000 कि.ग्रा. या उनके भाग के लिए	40/- रु.	

## ख—धूमन/पीपकहरण/निसंक्रमण/पर्यवेक्षण प्रभार

क्र.सं.	आयात के ब्यौरे	मात्रा/वजन	फीस
1	2	3	4
1. उपभोग के लिए पावप, बीज	(क) 1000 घन मीटर आयतन से कम परेषण :—		
	(1) 1.5 घन मीटर आयतन या उनसे कम के प्रत्येक परेषण के लिए	6/- रुपये	
	(2) अतिरिक्त 1.5 घन मीटर या उसका भाग	2/- रुपये	
	(ख) 1000 घन मीटर आयतन से अधिक परेषण :	100/- रुपये	
	कमल पर्यवेक्षण संबंधी प्रभार आयातकर्ता, पावक संरक्षण सहायकार या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी प्राधिकारी के पर्यवेक्षण के अधीन परेषण के धूमन, निसंक्रमण की व्यवस्था अपनी लागत पर करेगा।		
2. सूखे, फल, ताजे फल और वनस्पतियां	(1) 2 कि.ग्रा. तक	शून्य	
	(2) 2 कि.ग्रा. से अधिक, प्रति 50 कि.ग्रा. या उसके भाग के लिए	6/- रुपये	
3. सूक्ष्मजैविकी मृदा यांत्रिकी या खनिजोद्य प्रत्येक के लिए मृदा, मिट्टी, मृत्तिका और उद्यान कृषि के प्रयोजनों के लिए पीट	(1) 1.05 घन मीटर आयतन का प्रत्येक परेषण या उसके	6/- रुपये	
	(2) अतिरिक्त 1.5 घन मीटर या उनका भाग	2/- रुपये	
4. बुवाई और रोपण के लिये बीज और पावप	(1) 1.5 घन मीटर या उनसे कम प्रत्येक परेषण	6/- रुपये	
	(2) अतिरिक्त 1.5 घन मीटर या उनका भाग	2/- रुपये	

## MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture & Cooperation)

New Delhi, the 27th October, 1989

### NOTIFICATION

S.O. 867(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Destructive Insects and Pests Act, 1914 (2 of 1914), and in supersession of Plants, Fruits and Seeds (Regulation of import into India) Order 1984, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following order for the purpose of prohibiting and regulating the import into India of agricultural articles mentioned herein, namely :—

### CHAPTER I

#### Preliminary

1. Short title and commencement.—This order may be called the Plants, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India) Order, 1989.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In this order, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Competent Authority" means an authority notified by the Central Government from time to time by notification in the Official Gazette ;
- (b) "Designated Inspection Authority" means the authority notified by the Central Government from time to time through a notification to be published in the Official Gazette for the inspection of the plants grown in post entry quarantine facilities ;
- (c) "Entry Point" means sea port, airport or land customs station through which import is permitted under this order;
- (d) "Form" means form attached to this order;
- (e) "nursery" means any orchard, or any other place, facility, glass-house, screen house, utilised for raising plants;
- (f) "Official Phytosanitary Certificate" means a phytosanitary certificate in the format (reproduced as Schedule I) prescribed by the International Plant Protection Convention sponsored by the Food and Agricultural Organisation of the United Nations Organisation and issued by the authorised officer of the country of origin of consignments;
- (g) "packing material" means the packing material consisting of saw dust, wood shavings, waste paper and synthetic material used for packing of plants fruits or seeds;

(h) "pest" means any form of plant or animal life or any pathogenic agent, injurious or potentially injurious to plants or plant products and includes any insect, mite, nematode, snail, bacterium, fungus, virus, viroid, mycoplasma-like organism (MLO), phanerogam or weed ;

(i) "plant" means any plant or part thereof, whether living or dead, trees, shrubs, nursery stock, and includes all vegetatively propagated materials;

(j) "Plant Protection Adviser" means the plant Protection Adviser to the Government of India, Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, N.H. IV, Faridabad ;

(k) "Post-entry Quarantine" means growing of plants in isolation for any specified period in a glass-house, and facility, area of nursery, approved by the Plant Protection Adviser;

(l) "seeds" means seeds of agricultural, horticultural, fruit and fodder crops, forest trees and includes seedlings and tubers, bulbs, rhizomes, roots, cuttings, all types of grafts and other vegetatively propagated material utilised for sowing, planting or consumption;

(m) "Schedule" means schedule annexed to this order;

(n) "soil" includes earth, peat, compost, clay, sand or any medium capable of supporting life of plants and includes ballast or any soil for mineralogical or microbiological investigations or soil utilised for any other purpose.

### CHAPTER II

3. General conditions for import.—All consignments of plants, fruits and seeds (hereinafter referred to as 'consignments') shall be imported into India subject to the following conditions, namely :—

(1) No consignment shall be imported into India without a valid permit issued under clause (3);

(2) (i) All applications for a permit to import consignments by land, air or sea shall be sent in triplicate) at least one month in advance to the Competent Authority, and the application for the import of seeds, fruits and Plants for consumption shall be made in form 'A' and that for the import of seeds and plants for sowing or planting shall be made in form 'B';

(ii) A fee of Rs. 50 shall be payable along with the application for the import of seeds, fruits and plants for consumption and Rs. 100/- for application for the import of seeds and plants for sowing or planting and the

fee shall be payable in the form of Demand Draft payable to the Competent Authority having jurisdiction.

- (3) (i) The Competent Authority shall issue permit in Form "C" for import of seeds and fruits for consumption and in Form "D" for import of seeds and plants for sowing or planting, if he is satisfied that the applicant meets all the necessary conditions;

(ii) The issue of permit may be refused or withheld by the Competent Authority after giving reasonable notice to the applicant and for reasons to be recorded in writing;

(iii) The import permit issued under this clause shall be valid for a period of six months provided that the Competent Authority may, on request, extend the period of validity for a further period of six months, for reasons to be recorded in writing;

- (4) The Competent Authority shall forward to the importer an orange and green colour tag specified in form "E", in the case of permits issued for import of seeds and plants for sowing or planting so as to facilitate the identification of consignments at the time of their arrival at the land customs station or port of entry.

- (5) (i) All the consignments for consumption, sowing and propagation or planting shall be imported into India only through entry points notified by the Central Government from time to time in this behalf, provided that all consignments of dry fruits, fresh fruits and vegetables for consumption, imported from Afghanistan, Pakistan and West Asian countries by land shall be imported only through Attari-Wagha Border.

(ii) All consignments of plants and seeds for sowing and propagation or planting shall be imported into India through land customs station, seaport, airport at Amritsar, Bombay, Calcutta, Delhi and Madras and such other entry points as may be specifically notified by the Central Government from time to time.

- (6) (i) The consignment, on arrival, at an entry point, shall be inspected by the Plant Protection Adviser or any other officer duly authorised by him in this behalf, in accordance with the guidelines issued by the Plant Protection Adviser from time to time.

(ii) The Plant Protection Adviser or the officer authorised by him may, after inspection, fumigation, disinfection or disinfestation, as may be considered necessary by him, accord quarantine clearance for the entry of a consignment into India or require, in public interest, destruction of the consignment or return of the same to the country of origin;

(iii) Where fumigation or disinfestation or disinfection is considered necessary in respect of a consignment of plants, seeds and

fruits of more than 1000 cubic metre in volume, the importer shall on his own or at his cost through an agency approved by the Plant Protection Adviser arrange for the fumigation, disinfection or disinfestation of the consignment, under the supervision of an officer duly authorised by the Plant Protection Adviser in that behalf;

- (7) It shall be the responsibility of the importer,—

(a) to bring the consignments to the concerned Plant Quarantine and Fumigation Station, or to places of inspection, fumigation or treatment as directed by the Plant Protection Adviser or the officer duly authorised by him;

(b) to open, repack and load into or unload from the fumigation chamber and seal the consignments; and

(c) to remove them after inspection and treatment, according to the directions issued by the Plant Protection Adviser or an officer duly authorised by him.

(8) The consignments intended for other countries shall be allowed transit through or transshipment at air or sea ports or land customs stations, provided they are packed in such a manner as will not permit spillage of any soil or material or escape of any pest, and subject also to the condition that they are not opened in any place in India.

(9) No consignment shall be imported unless accompanied by an Official Phytosanitary Certificate issued by the authorised officer of the country of origin of the consignment :

Provided that cut flowers, garlands, bouquets, fruits and vegetables weighing less than two kilograms imported for personal consumption may be allowed to be imported without a Phytosanitary Certificate or an import permit.

(10) Consignments for import should be packed in the packaging material envisaged as in clause 2(g) of this order. No consignment wherein hay or straw or any material of plant origin is used for packaging or as a part of packaging material shall be allowed to be imported.

(11) Import of soil, earth, compost, sand, plant debris alongwith plants, fruits or seeds shall not be permitted except under the following conditions :—

(i) The consignments of soil, earth, clay and similar material for any microbiological, soil-mechanics or mineralogical investigations and peat for horticultural purposes may be permitted through specified air or sea ports or land custom station, on applications made for that purpose;



- (ii) The application for the purpose referred to in (i) above shall be made to the Plant Protection Adviser, at least one month in advance, in form "F";
  - (iii) The Plant Protection Adviser may, after scrutiny of the application, and if satisfied of the purpose for which such consignment is being imported, issue special permit in Form "G".
  - (iv) The consignments shall be inspected, fumigated disinfected or disinfested, on arrival, by the Plant Protection Adviser or any other officer duly authorised by him in this behalf.
- (12) The importer of the consignments or his agent shall pay to the Plant Protection Adviser or any other officer duly authorised by him in this behalf, the fees prescribed in Schedule III to meet the cost of inspection, fumigation disinfection, disinfection before the release of the consignments.

### CHAPTER III

4. Special conditions—(1) In addition to the general conditions specified in Chapter II, the articles hereinafter mentioned shall be imported subject to special conditions prescribed for them in Schedule II, namely :—

- (i) All species of Allium;
- (ii) Cacao and all species of Sterculiaceae and Bombacaceae;
- (iii) All species of Citrus;
- (iv) Coconut, seeds and all species of Cocos;
- (v) Coffee plants and seeds, and all species of Coffee;
- (vi) Cotton seeds, and all species of Gossypium;
- (vii) Seeds of forest trees;
- (viii) Groundnut seeds, and all species of Arachis.
- (ix) Buckwheat and all species of Medicago;
- (x) Potato and all species of Solanum;
- (xi) Rubber and all species of Hevea;
- (xii) Sugarcane and all species of Saccharum;
- (xiii) Tobacco and all species of Nicotiana;
- (xiv) Berseem and all species of Trifolium;
- (xv) Sunflower and all species of Helianthus;
- (xvi) Wheat and all species of Triticum;
- (xvii) Paddy and all species of Oryza;
- (xviii) Cuttings, saplings and bud-woods of flowers or ornamental plants;
- (xix) Seeds and the plant material of fruits.

(2) Every consignment of the articles hereinbefore mentioned shall be accompanied with the official Phy-

tosanitary Certificate issued by the authorised officer of the country of origin of consignment, containing additional declarations that they are free from pests specified against them in column 4 of Schedule II.

### CHAPTER IV

#### Post-entry Quarantine

5. Plants and seeds, which require Post-entry Quarantine as laid down in Schedule II of this order, shall be grown in Post-entry Quarantine facilities, approved and certified by the Designated Inspection Authority, to conform to the conditions laid down by the Plant Protection Adviser. The period for which, and the conditions under which, the plants and seeds shall be grown in such facilities shall be specified in the permit granted under clause 3.

6. The Post-entry Quarantine facilities shall be established and provided by the importer or his agent at his own cost and these shall be ready for use at the time of arrival of the consignment in India. The importer shall obtain a certificate from the Designated Inspection Authority who, after inspection of the Post-entry Quarantine facilities, shall certify that such Post-entry Quarantine facilities have been duly established and provided in accordance with the guidelines of the Plant Protection Adviser. The importer shall produce this certificate before the Officer-in-Charge of the Quarantine Station at the entry point, at the time of arrival of the consignment.

7. (i) The Officer-in-Charge of the Quarantine Station, if after inspection of the consignment is satisfied, shall accord quarantine clearance with Post-entry Quarantine condition on the production, by an importer, of a certificate from the Designated Inspection Authority as envisaged in clause 7. with the stipulation that the plants shall be grown in such Post-entry Quarantine facility for the period specified in the import permit.

(ii) After according quarantine clearance with Post-entry Quarantine conditions to the consignments of plants and seeds requiring Post-entry Quarantine, the Officer-in-Charge of the Quarantine Station at the entry point shall inform the Designated Inspection Authority, having jurisdiction over the Post-entry Quarantine facility, of their arrival at the location where such plants would be grown by the importer.

8. The importer shall inform in advance the Designated Inspection Authority having jurisdiction, about the time of planting of such material.

9. The importer shall permit to the Designated Inspection Authority complete access to the Post-entry Quarantine facility for the inspection of plants and shall, at all times, abide by his instructions concerning the plants in the Post-entry Quarantine.

10. The Designated Inspection Authority shall inspect the plants grown in the Post-entry Quarantine facility of the importer for the detection of the incidence of pests and diseases and observance of general terms and conditions governing the approval of the Post-entry Quarantine. Such inspections shall be at the time of planting and at such intervals as may be

considered necessary by the Designated Inspection Authority in accordance with the guidelines issued by the Plant Protection Adviser.

11. (i) The Designated Inspection Authority shall permit the release of plants from Post-entry Quarantine, if they are found to be free from pests and diseases for the period specified in the permit for importation.

(ii) Where the plants in the Post-entry Quarantine are found to be affected by pests and diseases during the specified period :—

(a) the Designated Inspection Authority shall order the destruction or return to the country of origin of the affected consignment of whole or a part of the plant population in the Post-entry Quarantine if the pest or disease is exotic, and

(b) the Designated Inspection Authority shall advise the importer about the curative measures to be taken to the extent necessary, if the pest or disease is not exotic and permit the release of the affected population from the Post-entry Quarantine only after curative measures have been observed to be successful. Otherwise, the plants shall be ordered to be destroyed.

(iii) Where destruction of any plant population is ordered by the Designated Inspection Authority, the importer shall destroy the same in the prescribed manner under the supervision of Designated Inspection Authority.

12. The importer shall be liable to pay the prescribed fee for inspection of plants in the Post-entry Quarantine facility as laid down in Schedule III.

## CHAPTER V

### Appeal and Revision

13. (i) If an importer is aggrieved by the decision of a Designated Inspection Authority regarding the destruction of any plant population, he may appeal to the Plant Protection Adviser within 7 days from the date of communication of the decision giving the grounds of appeal.

(ii) It shall be lawful for the Plant Protection Adviser to rely on the observation of the Designated Inspection Authority and such other expert opinion, as he may deem necessary, for deciding the appeal.

14. The memorandum of appeal shall set out the grounds on which the decision is challenged and shall be accompanied by a Treasury Challan evidencing the payment of a fee of Rs. 10/-.

15. The Plant Protection Adviser may, at any time, call for the records relating to any case pending before the Designated Inspection Authority for the purpose of satisfying itself as to the legality or propriety of any decision passed by that authority and may pass such order in relation thereto, as it thinks fit :

Provided that no such order shall be passed after the expiry of three months from the date of the decision :

Provided further that the Plant Protection Adviser shall not pass any order prejudicial to any person, without giving him a reasonable opportunity of hearing.

## CHAPTER VI

16. Powers of Relaxation.—The Central Government may, in public interest, relax any of the conditions of this order relating to the permit and the phytosanitary Certificate in relation to the import of any consignment.

[No. 8-4/87-PP.I.]

B. NARASIMHAN, Jt. Secy.

### FORM—A

[Clause 3(2)(i)]

### APPLICATION FOR PERMIT TO IMPORT SEEDS/FRUITS/PLANTS FOR CONSUMPTION

To

The Competent Authority,

The undersigned hereby applies for a permit authorising the import of seeds/fruits/Plants for consumption as per details given below :—

(Please write/type in Block Letters)

1. Name and exact description of seeds/fruits/Plants to be imported. :
2. Description of the Consignment and Quantity :
3. Name and address of the consignor :
4. Name and address of the importer :
5. Country and locality in which grown or produced :

6. Foreign port of shipment :
7. Approximate date of arrival of the consignment in India :
8. Name of \*Air/Sea Port/Land Customs Station of entry in India :

I undertake to produce an official Phytosanitary Certificate with additional declaration, if any, as specified in the permit. I also undertake to pay to the Plant Protection Adviser or any officer duly authorised by him, the prescribed fees to meet the cost of inspection, fumigation, disinfestation and disinfection of the consignment referred to above.

Signature of the importer or his authorised agent.

Place :

Name and postal address of the importer or his authorised agent

Date :

\*Strike out whichever is not applicable.

### FORM--B

[See Clause 3, condition (2)]

## APPLICATION FOR PERMIT TO IMPORT SEEDS AND PLANTS FOR SOWING/ PLANTING

To

The Competent Authority,

The undersigned hereby applies for a permit authorising the import of Seeds/Plants as per details given below:—

(Please type/write in BLOCK LETTERS)

1. Name and address of Importers :
- 2.

Sl. No.	Exact description of seeds/plant to be imported (state commercial and botanical name)	Name of Hybrid/ Variety	Quantity	
			No. of packages	Total weight or total No. of propagating material
1	2	3	4(a)	4(b)

3. \*Catalogue of seeds producer establishing identity of the seed/planting material to be imported :
4. Name and address of the producing company :
5. Name and address of consignor :
6. Country and locality in which seed/planting material grown :
7. Foreign port of shipment :

1	2	3	4(a)	4(b)
8.	Approximate date of arrival of consignment in India and name of **Air/Seaport/Land Custom Station.			
9.	Number and date of registration certificate from National Seeds Corporation/State Director of Agriculture/Horticulture/ Central/State Govt. Authorities (alongwith a photo copy) :			
10.	Number and date of import licence for commercial import of seeds of coarse cereals, oilseeds and pulses (photo copy to be attached).			
11.	ONLY FOR IMPORTS FOR WHICH POST ENTRY QUARANTINE/INSPECTION IS PRESCRIBED			
	(a) Exact locality and its postal address where imported seeds/plants will be grown :			
	(b) Names, postal address of Designated Inspection Agency (DIA) under whose supervision imported seeds/plant will be grown.			

## 12. DECLARATION

I declare that the information furnished is correct to the best of my knowledge and belief.

I undertake to produce an official Phytosanitary Certificate with additional declarations, if any, as specified in the permit.

I also undertake to pay to the Plant Protection Adviser or the officer duly authorised by him, the prescribed fees to meet the cost of inspection, fumigation, disinfestation and disinfection of the consignment referred to above.

Place :

Signature of the Importer or his authorised agent.

Date :

\*Photo copy of cover page and the relevant portion, if original catalogue cannot be furnished/photo copies of documents establishing identity of the seeds/planting materials.

@only for Food Processing Industries.

\*\*Strike out whichever is not applicable.

FORM—C

[Clause 3(3)]

(National Emblem)

Government of India

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture & Cooperation)

Directorate of Plant Protection, Quarantine & Storage

N.H. IV, Faridabad-121 001.

PERMIT FOR IMPORT OF FRUITS/SEEDS/PLANTS FOR CONSUMPTION

Permit No. \_\_\_\_\_

Valid upto \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

1. Permission is hereby granted \_\_\_\_\_

(Name and address of the importer or his authorised agent)

to import by air/sea/land the plants/seeds/ fruits herein specified grown or produced in \_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_from\_\_\_\_\_

(Name and address of the consigner)

through air/sea port/land custom station,

(Name of Port/Station)

as per following details :—

1. Name and exact description of seeds/fruits/plants/to be imported.
  2. Description of the Consignment and Quantity
  3. Country and locality in which grown or produced.
  4. Foreign Port of shipment :
  5. Specific purpose of import :
2. The consignment should be,—
- (i) accompanied by an official Phytosanitary Certificate issued by the authorised officer of the country of origin (i.e.\*
  - (ii) the official Phytosanitary Certificate shall also contain the following additional declarations :—
    - (a) \_\_\_\_\_
    - (b) \_\_\_\_\_
3. Quantity and description :
4. This permit is not transferable.

Place :

Signature of the Competent Authority

Date :

(SEAL)

\*Here specify the country of origin.

Copy to :—

(1) the Collector of Customs\_\_\_\_\_

(address of Collector of Customs)

(2) Officer-in-Charge, Plant Quarantine and Fumigation Station\_\_\_\_\_

(Name and address of the station)

Note :—(1) The importer or his authorised agent shall produce this permit for inspection by the Plant Protection Adviser or an officer authorised by him at the time of arrival of the consignment at the land customs station or port of entry.

(2) THE IMPORTER SHALL INTIMATE IMMEDIATELY TO THE PERMIT ISSUING AUTHORITY OF ANY CHANGE OF ADDRESS.

## FORM—D

[CLAUSE 3(3)]

(National Emblem)

Government of India

## MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture &amp; Cooperation)

Directorate of Plant Protection, Quarantine &amp; Storage

N.H. IV. Faridabad—121 001

PERMIT FOR IMPORT OF PLANTS/SEEDS FOR SOWING/  
PLANTING

Permit No. \_\_\_\_\_

Valid upto \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

1. Permission is hereby granted to \_\_\_\_\_

(Name and address of the importer or his authorised agent)

to import by air/sea/land the plants/seeds herein specified grown or produced in \_\_\_\_\_  
from \_\_\_\_\_

(Name and address of the Consignor)

through air/sea port/land custom station \_\_\_\_\_

(Name of Port/Station)

as per following details :—

1.

Sl. No.	Exact description of Plants/Seeds to be imported (state commercial and botanical name)	Name of Hybrid/ variety	Quantity	
			No. of Packages	Total weight or total No. of propagating material
1	2	3	4(a)	4(b)

2. \*Catalogue of seeds producer establishing identity of the seed/planting material to be imported.

3. Name and address of the producing company.

4. Name and address of consignor

5. Country and locality in which seed/planting material grown.

6. Foreign port of shipment.

7. Approximate date of arrival of consignment in India and name of Air/Sea port/Land Custom Station.

8. Number and date of registration certificate from National Seeds Corporation/State Director of Agriculture/Horticulture/ @Central/State Govt. Authorities (alongwith a photo copy).

1	2.	3.	4(a)	4(b)
9.	Number and date of import licence for commercial import of seeds of coarse cereals, oilseeds and pulses (photo copy to be attached).			
10.	ONLY FOR IMPORTS FOR WHICH POST ENTRY QUARANTINE/INSPECTION IS PRESCRIBED)			
(a)	Exact locality and its postal address where imported Plants/Seeds will be grown.			
(b)	Names, postal address of Designated Inspection Agency (DIA) under whose supervision imported plants/seeds will be grown.			
2.	The consignment of plants/seeds should be,—			
(i)	free from soil and seeds;			
(ii)	accompanied by an Official Phytosanitary Certificate issued by the authorised officer of the country of origin (i.e.*_____			
(iii)	the Official Phytosanitary Certificate shall also contain following additional declarations :—			
(a)	_____			
(b)	_____			
(c)	_____ etc.			
3.	The plants/seeds should be grown under post-entry quarantine approved by the Plant Protection Adviser at _____ (Name and address of location) for a period not exceeding _____ days.			
4.	Quantity and description :			
5.	This permit is not transferable.			
Place :				
Date :	Signature of the Competent Authority			
	(SEAL)			
Copy to :—				
(1)	The Collector of Customs _____ (Address of the Collector of Customs)			
(2)	Officer-in-Charge, Plant Quarantine & Fumigation Station _____ (Name of Station)			
Note 1 :	The importer or his authorised agent shall produce this permit for inspection by the Plant Protection Adviser, or an officer authorised by him, at the time of arrival of the consignment at the land custom station or port of entry.			
Note 2 :	THE IMPORTER SHALL INTIMATE IMMEDIATELY TO THE PERMIT ISSUING AUTHORITY OF ANY CHANGE OF ADDRESS.			

\*Here specify the country of origin.

FORM—E  
[Clause 3(4)]  
FACE OF TAG

This package contains perishable  
plants/seeds

Rush and Deliver to :                      The Officer In-Charge,  
   Plant Quarantine and  
   Fumigation Station,  
   —————airport/Seaport/Land Customs Station.

Signature of Competent Authority

REVERSE OF TAG

Permit No. ————— Valid upto —————  
Directions for sending plants/seeds  
Under this tag only materials covered by  
Permit the number of which it bears should be booked.  
Any other material may be confiscated.  
Place inside the package the importer's name and address, the invoice, and an official Phytosanitary  
Certificate issued by authorised officers of your country. In case of import by sea rush all documents  
to consignee by air.  
  
Attach Tag securely to consignment.

FORM—F  
[Clause 3(11)(ii)]  
APPLICATION FOR IMPORT OF SOIL/PEAT

To  
The Plant Protection Adviser to the Government of India,  
Directorate of Plant Protection,  
Quarantine & Storage,  
N.H. IV,  
Faridabad-121 001.

The undersigned hereby applies for a Special Permit authorising import of soil/peat as per details given  
below :—

(IN BLOCK LETTERS)

1. Exact details of the quantity of Soil/Peat to be imported :
2. Details of location (village, town, district, country) from  
where imports will be made :
3. Mode of packing of consignment :
4. Specific purpose of import :
5. Name and address of the Consignor :



6. Name and address of the importer :
7. Foreign Port of shipment :
8. Approximate date of arrival of consignment in India and name of the airport of seaport or Land Custom Station:
9. Specific location where consignment will be utilised:

I undertake to pay to the Plant Protection Adviser or any officer duly authorised by him prescribed fees to meet the cost of inspection, fumigation, disinfection or disinfection of the consignment referred above.

Signature of the importer or his authorised agent.

Place :

Name and postal address of the importer or his authorised agent.

Date :

### FORM—G

[Clause 3(11) (iii)]

(National Emblem)

Government of India

### MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

Directorate of Plant Protection, Quarantine & Storage

N.H. IV, Faridabad--121 001

### SPECIAL PERMIT OR IMPORT OF SOIL/PEAT

Special Permit No. \_\_\_\_\_

Valid upto \_\_\_\_\_

Date : \_\_\_\_\_

1. Permission is hereby granted to \_\_\_\_\_

(Name and address of importer or his authorised agent)

to import by land/airport/sea the soil/peat, as per details given below, from \_\_\_\_\_

(Name and address of consignor)

through land custom station/air/sea port of \_\_\_\_\_

(name of the land)

\_\_\_\_\_, as per following details :—

(custom station/air sea port).

1. Exact details of the quantity of soil/peat to be imported:
2. Details of location (village, town, district, country) from where import will be made :
3. Mode of packing of consignment :
4. Specific purpose of import :
5. Foreign Port of shipment :

6. Specific location where consignment will be utilised :

7. This permit is not transferable. :

Signature of the Plant Protection Adviser to the Government of  
India.

Place :

(SEAL)

Date :

Copy to :—

1. The Collector of Customs—  
(Address of the Collector of Customs)

2. The Officer-in-Charge, Plant Quarantine and Fumigation Station—  
(Name and address of the station)

Note 1 : The importer or his authorised agent shall produce this permit for inspection by the Plant Protection Adviser or an officer duly authorised by him at the time of arrival of the consignment at the land custom station or port of entry.

Note 2 : THE IMPORTER SHALL INTIMATE IMMEDIATELY TO THE DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION, QUARANTINE AND STORAGE OF ANY CHANGE OF ADDRESS.

#### SCHEDULE—I

[Clause 2(f)]

#### OFFICIAL PHYTOSANITARY CERTIFICATE

Plant Protection Organisation of—  
(Name of the country)

No. :—

To,

The Plant Protection Adviser to the Government of India,  
Dte. of Plant Protection, Quarantine and Storage,  
N.H. IV, Faridabad-121 001  
(India)

#### DESCRIPTION OF CONSIGNMENT

Name and address of the exporter: \_\_\_\_\_  
Declared name and address of consignee: \_\_\_\_\_  
Number and description of packages: \_\_\_\_\_  
Distinguishing marks: \_\_\_\_\_  
Place of origin: \_\_\_\_\_  
Declared means of conveyance: \_\_\_\_\_  
Declared port of entry/land custom station: \_\_\_\_\_  
Name of the produce and the quantity declared: \_\_\_\_\_  
Commercial and Botanical names of the plants/seeds/fruits: \_\_\_\_\_

This is to certify that the plants or plant products described above have been inspected and found free from quarantine pests and substantially free from other injurious pests; and that they are considered to conform with the current phytosanitary regulations of the importing country.

## DISINFESTATION AND/OR DISINFECTION TREATMENT

Date : \_\_\_\_\_ Treatment : \_\_\_\_\_

Chemical (active ingredient) \_\_\_\_\_ Duration and temperature \_\_\_\_\_

Concentration \_\_\_\_\_ Additional information \_\_\_\_\_

Additional declaration \_\_\_\_\_

(Stamp of Organisation) \_\_\_\_\_

Place of Issue : \_\_\_\_\_

Name of the authorised officer \_\_\_\_\_

Signature \_\_\_\_\_

Date: \_\_\_\_\_

No financial liability with respect to this certificate shall attach to \_\_\_\_\_ (Name of the Plant Protection Organisation) \_\_\_\_\_ or to any of its officers or representatives.

\*Optional clause.

## SCHEDULE-II

(Clause 4)

Conditions, for import of plants, seeds for sowing, planting and consumption

Sl. No.	Plants, Seeds and propagating materials	Countries from where import is prohibited	Pest for which additional declarations in Official Phytosanitary Certificate are required	Special conditions for import
1	2	3	4	5
1.	All species of Allium (Onion, garlic, leek, Chive, shallot etc.)	—	Smut ( <i>Urocystis capulae</i> ) Stem and bulb nematode <i>Ditylenchus dipsaci</i> )	—
2.	Cocoa and all species of the family Sterculiaceae and Bombacaceae.	West Indies, Africa and Sri Lanka	Pod rot ( <i>Monilia rorei</i> Mealy Pod ( <i>Trachysphaeria fructigena</i> ), Witches Broom ( <i>Crinipellia pernicioaus</i> ) and swollen Shoot virus.	Growing imported seeds and plants under post-entry quarantine.
3.	All species of Citrus (lemon, lime, orange, grape fruit etc.)	—	“Mal Secco” ( <i>Deuterophoma trachiphilla</i> )	Growing imported seeds and plants under post-entry quarantine.
4.	Coconut seeds and plants (all species of cocoa)	—	Red Ring ( <i>Rhadinaphelenchus cocophilus</i> ), Lethal yellowing, cadang cadang, Bronze leaf wilt, Guam coconut disease, Leaf Scorch, Coconut leaf miner ( <i>Promecotheca cumingi</i> )	(i) Consignments can only be imported by Director, Central Plantation Crops Research Institute, Kasaragod (Kerala). (ii) Imported material shall be grown in individual containers under post-entry quarantine.

1	2	3	4	5
5. Coffee	—	American leaf spot ( <i>Omphalia flavida</i> ), Virus diseases and coffee berry borer ( <i>Hypothenamus hampii</i> )	(i) Consignments of coffee seeds plants can only be imported by Director, Coffee Research Station pin-577117, Karnataka.	
(a) Plants, seeds (all species of <i>Coffea</i> )				
(b) Coffee Beans	Sri Lanka, Africa, South America	Coffee berry borer ( <i>Hypothenamus hampii</i> )	—	
6. Cotton seeds (all species of <i>Gossypium</i> )	—	Black arm ( <i>Xanthomonas malvacearum</i> ) and ( <i>Glomerella gossypii</i> )	Consignment of seeds can only be imported by Director, Central Institute for Cotton Research, Nagpur (Maharashtra).	
7. Forest seeds (all species of <i>pinus</i> , <i>Ulmus</i> and <i>Castanea</i> )	—	<i>Coronartium ribicola</i> , <i>Endothea parasitica</i> , <i>Ceratoystis ulmi</i> <i>Dothiostroma pini</i> <i>Lophoderminum Pinastris</i>	Consignments can only be imported by Director, Biological Research, Forest Research Institute, New Forest Post, Dehradun or any organisation under Central or State Government.	
8. Groundnut seeds (Peanut (all species of <i>Arachis</i> ))	—	(i) Production of seeds in areas free of <i>Puccinia arachidis</i> and <i>Sphaceloma arachidis</i> . (ii) Inspection of parent crops in active growing season and certification for freedom from peanut mottle, peanut Stunt & marginal chlorosis viruses.	(i) Consignments can only be imported as decorticated seeds. (ii) Consignments can only be imported for research work. (iii) Consignments originating from North and South America shall be grown in intermediate post-entry quarantine facility in non-groundnut growing countries and healthy seedlings or cuttings shall only be imported.	
9. Luerene (all species of <i>Medicago</i> )	—	Bacterial wilt ( <i>Corynebacterium incidionum</i> )	—	
10. Potato (all species of <i>Solanum</i> )	—	Wart ( <i>Synchytrium endobioticum</i> Cyst nematodes <i>Golcbodera pallida</i> , <i>G. rostochiensis</i> ), <i>Leptinotarasa decimlineata</i> ) and freedom of parent crops from virus diseases.	(i) Consignments can only be imported for research by Director, Central Potato Research Institute, Simla (H.P.) (ii) Consignments shall be grown under post-entry quarantine.	

1	2	3	4	5
11. Rubber (all species of Hevea)	America or West Indies	South American Leaf Blight ( <i>Mycrocyclus ulei</i> ) <i>Sphaerostilbe repens</i>		
12. Sugarcane (all species of <i>Saccharum</i> )	Fiji, New Guinea, Australia, Philippines	Leaf Scald ( <i>Xanthomonas albneans</i> ), Gummosis ( <i>Xanthomonas vasculorum</i> ), Serch, white leaf, Downy mildew and chlorotic streak.	(i) Consignments shall be imported only by Director, Sugarcane Breeding Instt. Coimbatore (Tamil Nadu). (ii) Consignments shall be grown under post-entry quarantine.	
13. Sunflower (all species of <i>Helianthus</i> )	Argentina, Peru	Downy Mildew ( <i>Plasmopara halstedii</i> ), <i>Orobancha Camana</i> .	(i) Consignments imported for sowing and planting shall be grown under post-entry quarantine. (ii) Consignments imported for consumption shall be utilised under supervision of Plant Protection Adviser or any officer authorised by him.	
14. Tobacco (all species of <i>Nicotiana</i> ) (a) Tobacco seed	—	Blue Mould ( <i>Peronospora tabacina</i> )	(i) Tobacco seed for sowing and planting shall only be imported by Director Central Tobacco Research Institute, Rajahmundry (Andhra Pradesh) for research. (ii) Consignments shall be grown under post-entry quarantine.	
(b) Un-manufactured tobacco	—	Tobacco Moth ( <i>Ephestia elutelia</i> )		
15. Berseem (all species of <i>Trifolium</i> )	—	Bulb and Stem Nematode ( <i>Ditylenchus dipsaci</i> )		
16. Wheat (all species of <i>Triticum</i> ) (a) for sowing and planting.	—	Ergot ( <i>Claviceps purpurea</i> ), Dwarf bunt ( <i>Tilletia contraversa</i> ), Spikelet rot <i>Pseudomonas antrofaciens</i> and granary weevil ( <i>Sitophilus granarius</i> )	(i) Consignments for sowing and planting shall only be imported by Director, National Bureau of Plant Genetic Resources, New Delhi. (ii) Consignment shall be grown in post-entry quarantine.	

1	2	3	4	5
	(b) for consumption	—	Granary weevil ( <i>Sitophilus granarius</i> )	(i) Ergot not to exceed 0.05% limit. (ii) Dwarf bunt not to exceed 0.005%.
	Note : Import of wheat preferably be undertaken during summer months.			
17.	Paddy seeds/rice		Granary weevil ( <i>Sitophilus granarius</i> ).	
18.	Cuttings/Saplings/ budwood of flowers and ornamental plants.	—	Exotic pests and diseases to be specified in the import permit.	Consignments shall be grown in approved post-entry quarantine.
19.	Planting material/ seeds of fruits.	—	Exotic pests and diseases to be specified in the import permit.	(i) Import to be permitted selectively by the Central Government on the recommendations of Director of Horticulture/Agriculture of State Government. (ii) Consignment to be grown under Post Entry Quarantine conditions, to be specified by the Plant Protection Adviser.

**SCHEDULE-III**  
**A—INSPECTION FEES**  
[Clause 3(12) and 12]

Sl. No.	Particulars of Import	Volume/Wt.	Fee
1	2	3	4
1.	Plants, cuttings, saplings, budwood etc. for planting as under Clause 4, Schedule II, requiring Post Entry Quarantine.	(i) Upto 10 Nos. (ii) Above 10 Nos; for every 100 Nos. or part thereof. (iii) Above 100 Nos. upto 1000 Nos. or part thereof. (iv) Above 1000 Nos. upto 10,000. (v) Above 10,000 Nos.	Nil Rs. 50/- Rs. 250/- Rs. 500/- Rs. 250 for every 1000 Nos. or part thereof.
2.	Plants, bulbs, tubers, corns, rhizomes etc. for Planting, not requiring Post Entry Quarantine.	(i) Upto 10 Nos. (ii) Above 10 Nos. upto 1000 Nos. or part thereof. (iii) Above 1000 Nos.	Nil. Rs. 100/- Rs. 100/- plus Rs. 0.05 per piece.

1	2	3	4
		A. For coarse cereals/ Pulses/Oil seeds	
3. Seeds for sowing.	(i) Upto 100 gms.		Nil.
	(ii) Above 100 gms. for every 1 Kg. or part thereof.		Rs. 2/-
	(iii) Above 1 Kg.; for every 10 Kgs. or part thereof.		Rs. 10/-
	B. For Vegetables/flowers		
	(i) Upto 100 Kgs.		Rs. 1/- per Kg.
	(ii) Above 100 Kgs. upto 1000 Kgs.		Rs. 0.50 per Kg.
	(iii) Beyond 1000 Kgs.		Rs. 0.20 per Kg.
	C. For Others		
	(i) Above 10 Kgs. for every 200 Kgs. or part thereof.		Rs. 100/-
	(ii) Above 100 Kgs. for every 1000 Kgs. or part thereof.		Rs. 500/-
4. Plants, Seeds and fruits for consumption.	(i) Upto 2 Kgs.		Nil.
	(ii) Above 2 Kg; for every 10 Kg. or part thereof.		Rs. 2/-
	(iii) Above 10 Kg.; for every 100 Kgs. or part thereof.		Rs. 20/-
	(iv) Above 100 Kg.; for every 1000 Kg. or part thereof.		Rs. 40/-

**B. FUMIGATION/DISINFECTION/DISINFESTATION/SUPERVISION  
CHARGES**

Sl. No.	Particulars of Import	Volume/Wt.	Fees
1	2	3	4
1. Plants, Seeds for consumption.	(a) Consignments less than 1000 cu. m. in volume :—		
	(i) 1.5 Cubic M. or less in volume of each consignment.		Rs. 6/-
	(ii) Additional 1.5 Cubic M. or part thereof.		Rs. 2/-
	(b) Consignments more than 1000 Cu. M. in volume :—		
	Supervision charges only		Rs. 100/-
	(The importer shall arrange for fumigation, disinfestation of consignment at his cost, under the supervision of Plant Protection Adviser or an officer authorised by him in this behalf).		

1	2	3	4
2.	Dry fruits, fresh fruits and vegetables.	(i) Upto 2 Kgs. (ii) Above 2 Kgs.; for every 50 Kg. or part thereof.	Rs. Nil. Rs. 6/-
3.	Soil, earth, clay for microbiological, soil mechanics or minerological investigations and peat for horticultural purposes.	(i) 1.5 Cu. M. or less in volume of each consignment. (ii) Additional 1.5 Cu. M. or part thereof.	R. 6/- Rs. 2/-
4.	Seeds and plants for sowing and planting.	(i) 1.5 Cu. M. or less in volumes of each consignment. (ii) Additional 1.5 Cu. M. or part thereof.	Rs. 6/- Rs. 2/-